



STD 05278 V.C. 246223, 246330 (O)
05278 V.C. 246224, 245209 (R)
Fax V.C. 246330(O), 245209(R)
Registrar 245957(O), 246042(R)
F.O. - 246386(O)

डॉ राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या (उ०प्र०)

DR. RAMMANOHAR LOHIA AVADHUNIVERSITY, AYODHYA (U.P.)

अमर उजाला माईसिटी, अयोध्या

दिनांक: 21 जनवरी, 2021

पृष्ठ संख्या: 03

नई शिक्षा नीति में स्वावलंबी भारत की पहचान

उच्च शिक्षा विज्ञान राज्य मंत्री ने कहा, आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा देश

संवाद न्यूज एजेंसी

अयोध्या। देश आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। प्रत्येक आपदा में संभावना देख रहा है। नई शिक्षा नीति में स्वावलंबी और उभरते हुए भारत की पहचान समाहित है। इस नीति का प्रसार जितना शीघ्रता से किया जाएगा। उसका परिणाम उतनी ही शीघ्रता से प्राप्त होगा। इसके लिए शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है।

यह बातें डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में बुधवार को नई शिक्षा नीति पर दो दिवसीय कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते हुए उच्च शिक्षा

अवध विश्वविद्यालय में नई
शिक्षा नीति पर दो दिवसीय
कार्यशाला का हुआ समापन



डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में राज्यमंत्री नीलिमा कटियार को स्मृति ध्यान देते कुलपति व अन्य।

विज्ञान राज्य मंत्री नीलिमा कटियार ने कहीं। उन्होंने कहा कि देश आगे बढ़ रहा है। देश के वर्तमान और भविष्य को सभी को मिलाकर अच्छा बनाना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अवध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गविशंकर सिंह ने कहा कि आत्म निर्भर देश के लिए नई शिक्षा नीति का अनुसरण करना होगा। समाज के सभी लोगों को नई शिक्षा नीति के विविध पहलुओं से

परिचित कराने के लिए शिक्षकों एवं छात्रों की भूमिका बढ़ गई है। विश्वविद्यालय ने इसे लागू कराने के लिए पूरी तैयारी कर ली है।

शीघ्र ही इसके सुखद परिणाम दिखाई देंगे। कार्यक्रम विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. चयन कुमार मिश्र ने नई शिक्षा नीति पर अपने विचार रखते हुए आयोजकों को बधाई दी। कार्यक्रम के पहले दिन उद्घाटन सत्र में हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी के प्रो.

पीवी राजीव एवं प्रो. आरएस मिश्र ने संबोधित किया।

इस अवसर पर कुलसचिव उमानाथ, मुख्य नियंता प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. अशोक कुमार शुक्ल, प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा, डॉ. महेंद्र सिंह, इंजीनियर चंदन अरोड़ा, इंजीनियर प्रवीण मिश्र, इंजीनियर नवीन पटेल सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अमर उजाला माईसिटी, अयोध्या

दिनांक: 21 जनवरी, 2021

पृष्ठ संख्या: 03

भगवान श्रीराम जन-जन के नायक : प्रो. रविशंकर

अयोध्या। भगवान श्रीराम जन-जन के नायक है। इनको किसी भी एक विशेष धर्म से जोड़ा नहीं जा सकता है। प्रभु श्रीराम ने जो मार्ग हम सभी को दिखाया है उस पर हम चलने का प्रयास करें। यह बातें डॉ. राममनोहर लोहिया अवधि



विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह ने बुधवार को गुरुदेव पैलेस नाका बाईपास में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण निधि समर्पण अभियान के दौरान कहीं। कुलपति एक लाख एक रुपये का दान स्वरूप निधि समर्पण अभियान को भेंट किया।

उन्होंने कहा कि श्रीराम का मंदिर निर्माण भारतवासियों के खुशी का क्षण है। इसके लिए इस अभियान का शुभारंभ किया गया है। इस अभियान में विवि पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. आरके सिंह, राष्ट्रीय मंच पश्चिम बंगाल के महासचिव वसी हैदर, नगर संघचालक अनिल सिंह, नाका हनुमानगढ़ी के महंत रामदास, राष्ट्रीय कथावाचक चंद्रांशु महाराज, हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास, अवधि प्रांत प्रभारी मुस्लिम राष्ट्रीय मंच हाजी सईद अहमद, नगर अभियान प्रमुख विवेक शुक्ल सहित अन्य उपस्थित रहे। संवाद

हिन्दुस्तान समाचार, अयोध्या

दिनांक: 21 जनवरी, 2021

पृष्ठ संख्या: 04

विज्ञान व प्रौद्योगिकी उच्च शिक्षा राज्यमंत्री ने नई शिक्षा नीति पर दो दिवसीय कार्यशाला का किया समाप्त

सनग्रता से आगे बढ़ एहा देश : नीलिमा

अयोध्या | हिन्दुस्तान संवाद

कार्यशाला

प्रदेश की विज्ञान और प्रौद्योगिकी उच्च शिक्षा राज्यमंत्री नीलिमा कटियार ने कहा कि आज देश समग्रता के साथ आगे बढ़ रहा है। देश का वर्तमान भविष्य सभी को मिलकर अच्छा बनाना है। किसी भी देश की शिक्षा व्यवस्था उस देश के विद्यार्थियों को देखकर पता चल सकती है।

उन्होंने कहा कि हम दुनिया की सबसे समृद्ध शिक्षा व्यवस्था के आदर्शों पर चलने जा रहे हैं। जिस प्रकार प्राचीन काल में शश और शाश की शिक्षा एक साथ ग्रहण की जाती थी उसी प्रकार नई शिक्षा नीति में कई शिक्षा पद्धति को एक साथ लाया गया है। उन्होंने कहा कि स्वावलंबी भारत और उभरते हुए भारत की पहचान इस नई शिक्षा नीति में समाहित है।

राज्यमंत्री श्रीमती कटियार डॉ. रामनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के संत कवीर सभागार में नई शिक्षा नीति पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के समाप्त सत्र को

- नई शिक्षा नीति में स्वावलम्बी भारत की पहचान समाहित
- आत्मनिर्भर देश के लिए नई शिक्षा नीति का अनुसरण करना होगा

मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। भारत प्रत्येक आपात में संभावना देख रहा है। इस नीति का प्रसार जितनी शीघ्रता से किया जाएगा उसका परिणाम उतनी ही शीघ्रता से प्राप्त होगा। इसके लिए शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है। श्रीमती कटियार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि एक-एक विद्यार्थी दृढ़ संकल्प करें तभी हम उत्कृष्टता के साथ आगे बढ़ सकेंगे एवं सक्षम बनेंगे।

कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह ने कहा कि आत्मनिर्भर देश के लिए नई शिक्षा नीति का अनुसरण करना होगा। समाज के सभी तबकों को नई शिक्षा नीति के



बुधवार को अवध विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यशाला के समाप्त समारोह में राज्यमंत्री को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति

विविध पहलुओं से परिचित कराने के लिए शिक्षकों एवं छात्रों की भूमिका बढ़ गई है। विश्वविद्यालय ने इसे लागू कराने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। शीघ्र ही इसके सुखद परिणाम दिखाई देंगे।

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. मोज अग्रवाल, प्रो. दिनेश कुमार, अईटी के निदेशक प्रो. रमापति मिश्र, प्रो. चयन

कुमार मिश्र ने नई शिक्षा नीति पर विचार रखे। उद्घाटन सत्र को बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के प्रो. पीवी राजीव एवं प्रो. आरएसमिश्र ने संबोधित किया।

संचालन मनीषा यादव एवं संयोजक डॉ. तरुण गंगवार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ.

मुकेश वर्मा, नितेश दीक्षित, राजीव कुमार, आशीष पाण्डेय, इंजीनियर श्वेता मिश्र व डॉ. महिमा चौरसिया का योगदान रहा। इस दौरान कुलसचिव उमानाथ, मुख्य नियंत्रा प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. अशोक कुमार शुक्ल, प्रो. शैलेन्द्र कुमार वर्मा, डॉ. महेन्द्र सिंह, चंदन अरोड़ा, प्रवीण मिश्र व अन्य भौजूद रहे।

दैनिक जागरण, अयोध्या

दिनांक: 21 जनवरी, 2021

पृष्ठ संख्या: 05

सबसे समृद्ध शिक्षा व्यवस्था के आदर्श पर चलने जा रहा देश : राज्यमंत्री

कुलपति बोले, आत्मनिर्भर देश के लिए नई शिक्षा नीति का अनुसरण जरूरी, अवधि विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति पर आयोजित हुई संगोष्ठी

संस्कृत विविधालय के संत कशीर सभामार में नई शिक्षा नीति पर आयोजित दिवसीय संगोष्ठी के समापन सत्र को संबोधित करते हुए उच्च शिक्षा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एवं नीतिमान काटियार ने कहा कि किसी भी देश की शिक्षा व्यवस्था के बारे में उस देश के विद्यार्थियों को ही देख कर पता लगाया जा सकता है। कहा, हमारे देश सबसे समृद्ध शिक्षा व्यवस्था के आदर्शों पर चलने जा रहा है। प्रधानमंत्री कल में शरक्त और शासक की शिक्षा एक साथ प्रदून की जाती थी, उसी प्रकार ही शिक्षा नीति में वही शिक्षा पढ़ाविती थी समाविश है। इसी पर आवारित शिक्षा बच्चे लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. मनोज अग्रवाल, प्रो. दिनेश कुमार,



के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रही है। कुलपति प्रो. योगीश कर्मसिंह ने कहा कि दूसरे के लिए नई शिक्षा नीति का अनुसरण जरूरी है। उन्होंने नई शिक्षा नीति के विविध पहलुओं से सभी को परिचित कराया। बातों कि विवर में इसे लगा करने की तैयारी पूरी कर ली गई है। इसमें लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. प्रियंका जोशी को एवं प्रो. आर-एस निश्चि ने संबोधित

साझारी का खिलाफ पर कदम।

संस्कृत विविधालय : मवडी की श्रमसमा हुमें मध्यूप दानुषपूर्ण में दो दिवसीय विषेषज्ञ गेयर का आयोजन किया गया। पाइल मुकाबले में साहपरी की टीम ने फैले दल्लेवाजी करने वाले निर्धारित ओरों में 65 से कांसरे छुड़ा किया। जिवाल में उतरी ढाढ़ा युवताओं की टीम प्रतिविधी टीम के बासरों के आगे नहीं टिक सकी। साझारी की टीम ने 20 रनों से मैट जीत कर रिक्विएट पर कदम कर लिया।



दुकान पर जलेही का स्लाइट बहुती राज्यमानी नीतिमान काटियार द्वारा से कुरारे ● जागरण जलेही स्नान गिननी की दुकान पर फूंची मंत्री किया। कुलपति को डिजिटल प्रस्तुति हुई। संचालन इंजीनियर मनोज वाला ने किया। कार्बनक्रम के संबोधक प्रो. समाप्ति निश्चि ने विचार व्यक्त किया। वहाँ तेरले दिन अनारस हिन्दू प्रो. तरश्य गंगवर ने ध्यावाट जापित किया। विज्ञान संक्षेपाध्यक्ष प्रो. विश्वविद्यालय के प्रो. पीवी राजेव विज्ञान कुमार निश्चि ने आयोजकों को एवं प्रो. आर-एस निश्चि ने संबोधित किया। इस दैरान शिक्षक व विद्यार्थी मोउद रहे।

जलेही स्नान गिननी की दुकान पर फूंची मंत्री किया। इसके बाद वे ओटी कोकाती मरिदर के समीप स्थित प्रख्यात निनी की जलेही की दुकान पर छुटी। बड़े वाल से उन्होंने कुर्लड में क्ली व जलेही का आमदारिया और मनोज का उत्सहकर्तन किया। मनोज के साथ अक्षय विवे कैप्स के ग्रीष्म प्राथारी बैंगनी रंगी रही रहे।

स्वतंत्र चेतना, अयोध्या

दिनांक: 21 जनवरी, 2021

पृष्ठ संख्या: 03

श्रीराम मन्दिर निर्माण को कुलपति ने दिए एक लाख रुपये दान

भगवान् श्रीराम जन-जन के नायक : प्रो० रविशंकर सिंह

चेतना समाचार सेवा

अयोध्या। भगवान् श्रीराम जन-जन के नायक है। इनको किसी भी एक विशेष धर्म से जोड़ा नहीं जा सकता है। प्रभु श्रीराम ने जो मार्ग हम सभी को दिखाया है उस पर हम चलने का प्रयास करें। उक्त बातें ड० राममनोहर लोहिया अवधि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० रविशंकर सिंह ने गत शुक्रवार को गुरुदेव पैलेस, नाका बाईपास, श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर निर्माण निधि समर्पण अभियान के शुभारम्भ पर मीडिया को संबोधित करते हुए कही। कुलपति प्रो० सिंह ने मन्दिर निर्माण के लिए एक लाख एक रुपये दान स्वरूप निधि समर्पण अभियान को भेट किये। उन्होंने बताया कि भगवान् श्रीराम का मन्दिर निर्माण भारतवासियों के खुशी का क्षण है। इसके लिए इस अभियान का शुभारम्भ किया गया है। इसमें सभी देशवासियों को खुलकर सहयोग प्रदान करना चाहिए। कुलपति ने बताया कि इस अभियान में शामिल होना कही न कही



पूर्व जन्मों को संस्कार है जिसका हम भी साक्षी बन रहे है। इस अभियान में मुस्लिम भाई भी बढ़चढ़ कर अपना सहयोग एवं समर्पण धनराशि दे रहे है उनकी जितनी प्रशंसा की जाये वह कम है। इनके द्वारा इस मुहिम में किये गये सहयोग से समाज में एक अच्छा संदेश एवं भावना जाग्रत होगी। इससे देश बहुत तेजी से विकास की ओर उन्मुख होगा। अंत में कुलपति प्रो०

सिंह ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि श्रीराम ने जो हम सभी के लिए आदर्श का मार्ग दिखाया है। उस पर चलने का प्रयास करें। तन मन धन से खुलकर सहयोग प्रदान करें। इस अभियान

में विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो० आर० के० सिंह, राष्ट्रीय मंच पश्चिम बंगाल के महासचिव वसी हैदर, नगर संघचालक अनिल सिंह, नाका हनुमान गढ़ी के महंत रामदास जी, राष्ट्रीय कथावाचक चंद्रांशु जी महाराज, हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास जी, अवधि प्रांत प्रभारी मुस्लिम राष्ट्रीय मंच हाजी सईद अहमद, नगर अभियान प्रमुख विवेक शुक्ल, डॉ० अनिल कुमार सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

ਤਰੁਣ ਪ੍ਰਵਾਹ, ਲਖਨਊ

दिनांक: 21 जनवरी, 2021

पृष्ठ संख्या: 03

श्रीराम मन्दिर निर्माण के लिए कुलपति ने एक लाख एक रुपये दान स्वरूप प्रदान किए

प्रभु श्रीराम को किसी एक विशेष धर्म से जोड़ा नहीं जा सकता: कुलपति

रिपोर्ट सर्वेश श्रीवास्तव
अयोध्या।

भगवान श्रीराम जन-जन के नायक हैं। इनको किसी भी एक विशेष धर्म से जोड़ा नहीं जा सकता है। प्रभु श्रीराम ने जो मार्ग हम सभी को दिखाया है उस पर हम चलने का प्रयास करें। उक्त बातें डॉ। रामननाहर लोहिया अवधि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो। रविशंकर सिंह ने गत शुक्रवार को गुरुदेव पैलेस, नाका वाईपास, श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर निर्माण निधि समर्पण अभियान के शुभारम्भ पर मीडिया को संबोधित करते हुए कही-



कही न कही पूर्व जन्मों को संस्कार है जिसका हम भी साक्षी बन रहे हैं। इस अभियान में मुरिलिम भाई भी बढ़वड़ कर अपना सहयोग एवं समर्पण धनराशि दे रहे हैं तथा उनकी जितनी प्रशंसा की जाये वह कम है। इनके द्वारा इस मुहिम में किये गये सहयोग से समाज में एक अच्छा संदेश एवं भावना जाग्रत होगी। इससे देश बहुत तेजी से विकास की ओर उन्मुख होगा। अंत में कुलपति प्रो० सिंह ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि श्रीराम ने जो हम सभी के लिए आदर्श का मार्ग दिखाया है।

उस पर चलने का प्रयास करें। तन मन धन से खुलकर सहयोग प्रदान करें। इस अभियान में विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो० आर० के० सिंह, राष्ट्रीय मंच पश्चिम बंगाल के महाराजाचिव वसी हैं, दर, नगर संघचालक अनिल सिंह, नाका हनुमान गढ़ी के महत्त्व रामदास जी, राष्ट्रीय कथावाचक चंद्रांशु जी महाराज, हनुमानगढ़ी के महत्त्व राजू दास जी, अवध प्रांत प्रभारी मुस्तिलम राष्ट्रीय मंच हाजी सईद अहमद, नगर अभियान प्रमुख विवेक शुक्ल, डॉ० अनिल कुमार सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

तरुण प्रवाह, लखनऊ

दिनांक: 21 जनवरी, 2021

पृष्ठ संख्या: 03

अवध विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति पर दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

स्वावलंबी भारत की पहचान नई शिक्षा नीति में समाहित है: राज्यमंत्री नीलिमा कटियार

आत्मनिर्भर देश के लिए नई शिक्षा नीति का अनुसरण करना होगा: कुलपति प्रो० रविशंकर सिंह

रिपोर्ट सर्वें श्रीवास्तव अयोध्या।

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के संत कवीर समागम में आज 20 जनवरी, 2021 को नई शिक्षा नीति पर दो दिवसीय कार्यशाला का समापन हुआ। समापन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि नीलिमा कटियार, राज्य मंत्री उच्च शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी उत्तर प्रदेश ने कहा कि आज देश समग्रता के साथ आगे बढ़ रहा है। देश के वर्तमान भविष्य सभी को मिलकर अच्छा बनाना है।

किसी भी देश की शिक्षा व्यवस्था उस देश के विद्यार्थियों को देखकर पता चल सकती है।

उन्होंने बताया कि हम दुनियां की सबसे समृद्ध शिक्षा व्यवस्था के आदर्श पर चलने जा रहे हैं। जिस प्रकार प्राचीन काल में शस्त्र और शास्त्र की शिक्षा एक साथ ग्रहण की जाती थी उसी प्रकार नई शिक्षा नीति में कई शिक्षा पद्धति को एक साथ लाया गया है। नीलिमा कटियार ने

कहा कि देश के प्रधानमंत्री के विद्यार्थी दुढ़ संकल्प करे। तभी नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भरता की हम उत्कृष्टता के साथ आगे बढ़ सकेंगे एवं सक्षम बनेंगे। आज प्रत्येक आपदा में संभावना देख आदर्शों के प्रतिमान का अनुसरण

नीति का अनुसरण करना होगा। समाज के सभी तबको को नई शिक्षा नीति के विविध पहलुओं से परिचित कराने के लिए शिक्षकों एवं छात्रों की भूमिका बढ़ गई है। विश्वविद्यालय ने इसे लागू कराने के लिए पूरी तैयारी कर ली है।

शीघ्र ही इसके सुखद परिणाम दिखाई देंगे। अंत में कुलपति प्रो० सिंह ने दो दिवसीय कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए आयोजकों को शुभकामनाएँ दी। अन्य वक्ताओं में लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो० मनोज अग्रवाल, प्रो० दिनेश कुमार, विवि आईईटी के निदेशक प्रो० रमापति मिश्र ने नई शिक्षा नीति पर अपने विचार रखे।

कार्यक्रम विज्ञान संकायालयक्ष प्रो० प्रो० अजय प्रताप सिंह, प्रो० अशोक कुमार शुक्ल, प्रो० शैलेन्द्र कुमार वर्मा, डॉ० महेन्द्र सिंह, इंजीनियर चंदन अरोड़ा, इंजीनियर प्रवीण मिश्र, इंजीनियर नवीन पटेल सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित



उभरते हुए भारत की पहचान करते हुए उनके रास्तों पर चलने की जो हमें हमारी पहचान से जोड़ती है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति परिणाम उतनी ही शीघ्रता से सीखने और सिखाने का अनुसरण प्राप्त होगा। इसके लिए शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है। राज्यमंत्री ने विद्यार्थियों को संबोधि

त करते हुए कहा कि एक एक

आत्मनिर्भर देश के लिए नई शिक्षा

प्रो० राजीव एवं प्रो०

नई शिक्षा नीति में समाहित भारत की पहचान : नीलिमा

अयोध्या (ब्लूग)। डॉ० राममोहर लोहिया अवधि विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में नई शिक्षा नीति पर दो दिवसीय कार्यशाला को समाप्त हुआ। समाप्त सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि नीलिमा कटियार, राज्य मंत्री उच्च शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी उत्तर प्रदेश ने कहा कि आज देश समग्रता के साथ आगे बढ़ रहा है। देश के वर्तमान भविष्य सभी को मिलकर अच्छा बनाना है। किसी भी देश की शिक्षा व्यवस्था उस देश के विद्यार्थियों को देखकर पत चल सकती है। उन्होंने बताया कि हम दुनियां की सबसे समृद्ध शिक्षा व्यवस्था के आदर्शों पर चलने जा रहे हैं। जिस प्रकार प्राचीन काल में शस्त्र और शास्त्र की शिक्षा एक साथ ग्रहण की जाती थी उसी प्रकार नई शिक्षा नीति में कई शिक्षा पद्धतियों को एक साथ लाया गया है। नीलिमा कटियार ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। आज भारत प्रत्येक आपदा में संभावना देख रहा है। स्वावलंबी भारत और उभरते हुए भारत की पहचान इस नई शिक्षा नीति



में समाहित है। इसके साथ ही उन्होंने कहा जो?ती है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति सीखने और सिखाने का अनुसरण करना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अवधि विवि के कुलपति प्रो० रविशंकर सिंह ने कहा कि आत्मनिर्भर देश के लिए नई शिक्षा नीति का अनुसरण करना होगा। समाज के सभी तबको को नई शिक्षा नीति के विविध पहलुओं से परिचित कराने के लिए शिक्षकों एवं छात्रों की भूमिका बढ़ गई है। विश्वविद्यालय ने इसे लागू कराने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। शीघ्र ही

इसके सुखद परिणाम दिखाई देंगे। अंत में कुलपति प्रो० सिंह ने दो दिवसीय कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए आयोजकों को शुभकामनाएँ दी। अन्य वकाओं में लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो० मनोज अग्रवाल, प्रो० दिनेश कुमार, विवि आईटी के निदेशक प्रो० रमापति मिश्र ने नई शिक्षा नीति पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो० चयन कुमार मिश्र ने नई शिक्षा नीति पर अपने विचार रखते हुए आयोजकों को बधाई दी।

कार्यक्रम के पहले दिन उद्घाटन सत्र में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी के प्रो० पी० राजीव एवं प्रो० आर०एस० मिश्र ने संबोधित किया।

समाप्त सत्र का शुभारम्भ मां सरसवती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ञलित करके किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति की डिजीटली प्रस्तुति हुई। कार्यक्रम का संचालन इंजीनियर मनीषा यादव ने किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ० तरुण गंगवाद जापित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ० मुकेश वर्मा, इंजीनियर नितेश दीक्षित, इंजीनियर राजीव कुमार, इंजीनियर आशीष पाण्डेय, इंजीनियर श्वेता मिश्र, डॉ० महिमा चैरिसिया का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर कुलसचिव उमानाथ, मुख्य नियंता प्रो० अजय प्रताप सिंह, प्रो० अशोक कुमार शुक्ल, प्रो० शैलेन्द्र कुमार वर्मा, डॉ० महेन्द्र सिंह, इंजीनियर चंदन अरोड़ा, इंजीनियर प्रवीण मिश्र, इंजीनियर नवीन पटेल सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शांतिमोर्चा, अयोध्या

दिनांक: 21 जनवरी, 2021

पृष्ठ संख्या: 01

अवध विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति पर दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

स्वावलंबी भारत की पहचान नई शिक्षा नीति में समाहित है: राज्यमंत्री

(शान्तिमोर्चा संवाद)

अयोध्या। डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में आज 20 जनवरी, 2021 को नई शिक्षा नीति पर दो दिवसीय कार्यशाला का समापन हुआ। समापन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि नीलिमा कटियार, राज्य मंत्री उच्च शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी उत्तर प्रदेश ने कहा कि आज देश समग्रता के साथ आगे बढ़ रहा है। देश के वर्तमान भविष्य सभी को मिलकर अच्छा बनाना है। किसी भी देश की शिक्षा व्यवस्था उस देश के विद्यार्थियों को देखकर पता चल सकती है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अवध विवि के कुलपति प्रो० रविशंकर सिंह ने कहा कि आत्मनिर्भर देश के लिए नई शिक्षा नीति का अनुसरण करना होगा। समाज के सभी तबको को नई शिक्षा नीति के विविध पहलुओं से परिचित कराने के लिए शिक्षकों एवं छात्रों की भूमिका बढ़ गई है। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो० मनोज अग्रवाल, प्रो० दिनेश कुमार, विवि

आत्मनिर्भर देश के लिए नई शिक्षा नीति का अनुसरण करना होगा: कुलपति



आईईटी के निदेशक प्रो० रमापति मिश्र ने नई शिक्षा नीति पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो० चयन कुमार मिश्र ने नई शिक्षा नीति पर अपने विचार रखते हुए आयोजकों को बधाई दी। कार्यक्रम के पहले दिन उद्घाटन सत्र में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी के प्रो० पी०वी० राजीव एवं प्रो० आर०एस० मिश्र ने संबोधित किया।

कार्यक्रम का संचालन इंजीनियर मनीषा यादव ने किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ० तरुण गंगवार ने अतिथियों

के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ० मुकेश वर्मा, इंजीनियर नितेश दीक्षित, इंजीनियर राजीव कुमार, इंजीनियर आशीष पाण्डेय, इंजीनियर श्वेता मिश्र, डॉ० महिमा चौरसिया का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर कुलसचिव उमानाथ, मुख्य नियंता प्रो० अजय प्रताप सिंह, प्रो० अशोक कुमार शुक्ल, प्रो० शैलेन्द्र कुमार वर्मा, डॉ० महेन्द्र सिंह, इंजीनियर चंदन अरोड़ा, इंजीनियर प्रवीण मिश्र, इंजीनियर नवीन पटेल सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।



शांतिमोर्चा, अयोध्या

दिनांक: 21 जनवरी, 2021

पृष्ठ संख्या: 01

भगवान श्रीराम जन-जन के नायकः प्रो० रविशंकरसिंह

अयोध्या। भगवान श्रीराम श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर निर्माण जन-जन के नायक है। इनको निवि समर्पण अभियान के शुभारम्भ किसी भी एक विशेष धर्म से पर नीडिया को संबोधित करते जोड़ा नहीं जा सकता है। प्रभु हुए कही। कुलपति प्रो० सिंह ने श्रीराम ने जो मार्ग हम सभी को मन्दिर निर्माण के लिए एक लाख दिखाया है उस पर हम चलने एक रुपये दान स्वरूप निवि का प्रयास करें। उक्त बातें डॉ० समर्पण अभियान को भेट किये। राममनोहर लोहिया अवधि उन्होंने बताया कि भगवान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० श्रीराम का मन्दिर निर्माण रविशंकर सिंह ने गत शुक्रवार भारतवासियों के खुशी का क्षण को गुरुदेव पैलस, नाका वाईपास, है। इसके लिए इस अभियान

श्रीराम मन्दिर निर्माण के लिए कुलपति ने दिया एक लाख एक रुपये का दान

का शुभारम्भ किया गया है। इसमें भाई भी बढ़चढ़ कर अपना ओर उन्मुख होगा। अंत में विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष सभी देशवासियों को खुलकर सहयोग एवं समर्पण धनराशि दे कुलपति प्रो० सिंह ने नागरिकों प्रो० आर० के० सिंह, राष्ट्रीय सहयोग प्रदान करना चाहिए। रहे हैं उनकी जिन्हीं प्रशंसा की से अपील करते हुए कहा कि मंच परिषद बंगाल के महासचिव श्रीराम ने जो हम सभी के लिए वसी हैंदर, नगर संघबालक अभियान में शामिल होना कही इस मुहिम में किये गये सहयोग आदर्श का मार्ग दिखाया है। अनिल सिंह, नाका हनुमान गढ़ी न कही पूर्य जन्मों को संस्कार से समाज में एक अच्छा संदेश उस पर चलने का प्रयास करें। के महत रामदास, राष्ट्रीय है जिसका हम भी साक्षी बन रहे एवं भावना जाग्रत होगी। इससे तन मन धन से खुलकर सहयोग कथावाचक चंद्रांशु सहित अन्य है। इस अभियान में मुस्लिम देश बहुत तेजी से विकास की प्रदान करें। इस अभियान में उपरि-

जनाभास, लखनऊ

दिनांक: 21 जनवरी, 2021

पृष्ठ संख्या: 01

श्रीराम मन्दिर निर्माण के लिए कुलपति ने एक लाख एक रुपये दान स्वरूप प्रदान किए

- प्रभु श्रीराम को किसी एक विशेष धर्म से जोड़ा नहीं जा सकता: कुलपति

अश्वनी पांडेय

जनाभास, अयोध्या। भगवान श्रीराम जन-जन के नाथक हैं। इनको किसी भी एक विशेष धर्म से जोड़ा नहीं जा सकता है। प्रभु श्रीराम ने जो

मार्ग हम सभी को दिखाया है उस पर हम चलने का प्रयास करें। उक्त बातें डॉ राममनोहर लोहिया अवधि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० रविशंकर सिंह ने गत् शुक्रवार को गुरुदेव पैलेस, नाका बाईपास, श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर निर्माण निधि समर्पण अभियान के शुभारम्भ पर मीडिया को संबोधित करते हुए कही। कुलपति प्रो० सिंह ने मन्दिर निर्माण के लिए एक लाख एक रुपये दान स्वरूप निधि समर्पण अभियान को भेट किये। उन्होंने बताया कि भगवान श्रीराम का मन्दिर निर्माण भारतवासियों के खुशी का क्षण है। इसके लिए इस अभियान का शुभारम्भ किया गया है। इसमें सभी देशवासियों को खुलकर सहयोग प्रदान करना चाहिए। कुलपति ने बताया कि इस अभियान में शामिल होना कहीं न कही पूर्व जन्मों को संस्कार है जिसका हम भी साक्षी बन रहे हैं। इस अभियान में मुस्लिम भाई भी बढ़चढ़ कर अपना सहयोग एवं समर्पण धनराशि दे रहे हैं उनकी जितनी प्रशंसा की जाये वह कम है। इनके द्वारा इस मुहिम में किये गये सहयोग से समाज में एक अच्छा संदेश एवं भावना

जाग्रत होगी। इससे देश बहुत तेजी से विकास की ओर उन्मुख होगा। अंत में कुलपति प्रो० सिंह ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि श्रीराम ने जो हम सभी के लिए आदर्श का मार्ग दिखाया है। उस पर चलने का प्रयास करें। तन मन धन से खुलकर सहयोग प्रदान करें। इस अभियान में विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो० आर० के० सिंह, राष्ट्रीय मंच पश्चिम बंगाल के महासचिव वसी हैंदर, नगर संघवालक अनिल सिंह, नाका हनुमान गढ़ी के महात रामदास जी, राष्ट्रीय कथावाचक चंद्रांशु जी महाराज, हनुमानगढ़ी के महात राजू दास जी, अवध प्रांत प्रभारी मुस्लिम राष्ट्रीय मंच हाजी सईद अहमद, नगर अभियान प्रमुख विवेक शुक्ल, डॉ अनिल कुमार सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।



जनाभास, लखनऊ

दिनांक: 21 जनवरी, 2021

पृष्ठ संख्या: 04

अवधि विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति पर दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

अवधीनी पांडे

जनाभास, अयोध्या। डॉ रामनाहर लोहिया अवधि विश्वविद्यालय के संत कवीर समागम में आज 20 जनवरी, 2021 को नई शिक्षा नीति पर दो दिवसीय कार्यशाला का समापन हुआ। समापन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि नीलिमा कटियार, राज्य मंत्री उच्च शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी उत्तर प्रदेश ने कहा कि आज देश सम्प्रति के साथ आगे बढ़ रहा है। देश के वर्तमान भविष्य सभी को मिलकर अच्छा बनाना है। किसी भी देश की शिक्षा व्यवस्था उस देश के विद्यार्थियों को देखकर पता चल सकती है। उन्होंने बताया कि हम दुनियां की सरसे समृद्ध शिक्षा व्यवस्था के आदर्शों पर चलने जा रहे हैं। जिस प्रकार प्राचीन काल में शस्त्र और शास्त्र की शिक्षा एक साथ ग्रहण की जाती थी उसी प्रकार नई शिक्षा नीति में कई शिक्षा पद्धतियों को एक साथ लाया गया है। नीलिमा कटियार ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत आन्मनिरता की ओर बढ़ रहा है।

आज भारत प्रत्येक आपदा में समावना

देख रहा है। रघवलंबी भारत और उभरते हुए भारत की पहचान इस नई शिक्षा नीति में समाहित है। इस नीति का प्रसार जितना शीघ्रता से किया जायेगा उसका परिणाम उतनी ही शीघ्रता से प्राप्त होगा। इसके लिए शिक्षाकों की भूमिका बढ़ गई है। राज्यमंत्री ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि एक एक विद्यार्थी दृढ़ संकल्प करे। तभी हम उत्कृष्टता के साथ आगे बढ़ सकेंगे एवं सभीम बनेंगे। आज जरूरत है कि उन महापुरुषों के आदर्शों के प्रतिमान का अनुसरण करते हुए उनके रास्तों पर चलने की जो हमें हमारी पहचान से जोड़ती है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति सीखने और सिखाने का अनुसरण करना है। कार्यक्रम विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो० घयन कुमार मिश्र ने नई शिक्षा नीति पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम विज्ञान की अध्यक्षता कर रहे अवधि विधि के कुलपति प्रो० रविशंकर सिंह ने कहा कि आन्मनिर्माण के लिए नई शिक्षा नीति का अनुसरण करना है।

होगा। समाज के सभी तबकों को नई शिक्षा नीति के विविध पहलुओं से परिचित कराने के लिए शिक्षकों एवं छात्रों की भूमिका बढ़ गई है। विश्वविद्यालय ने इसे लागू कराने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। शीघ्र ही इसके सुखद परिणाम दिखाई देंगे। अत में कुलपति प्रो० सिंह ने दो दिवसीय कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए आयोजकों को शुभकामनाएँ दी। अन्य वक्ताओं में लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो० मनोज अग्रवाल, प्रो० दिनेश कुमार, विवि आईईटी के निवेशक प्रो० समाप्ति मिश्र ने नई शिक्षा नीति पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो० घयन कुमार मिश्र ने नई शिक्षा नीति पर अपने विचार रखते हुए आयोजकों को बधाई दी। कार्यक्रम के संयोजक डॉ० तरुण गंगवार ने अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम को सकल बनाने में डॉ० मुकेश वर्मा, इंजीनियर नितेश दीक्षित, इंजीनियर



राजीव कुमार, इंजीनियर आशीष पाण्डे, इंजीनियर श्वेता मिश्र, डॉ० महिमा चौरसिया का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर कुलसचिव उमानाथ, मुख्य नियंता प्रो० अजय प्रताप सिंह, प्रो० अशोक कुमार शुक्ल, प्रो० शीलेन्द्र कुमार वर्मा, डॉ० महेन्द्र सिंह, इंजीनियर चंदन अरोड़ा, इंजीनियर प्रवीण मिश्र, इंजीनियर नवीन पटेल सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जिला रोजगार मेले में कायेस विद्यार्थकों की उपेक्षा से भड़के कायेसी, जमकर किया विरोध प्रदर्शन

इसरार खान लियाकत

को जैसे ही निकले तो पुलिस सतके



अमृत विचार, लखनऊ

दिनांक: 21 जनवरी, 2021

पृष्ठ संख्या: 10

स्वावलंबी भारत की पहचान नई शिक्षा नीति में समाहित

अमृत विचार अयोध्या

संबोधन

• नई शिक्षा नीति पर दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

डॉ. राममनोहर लोहिया अवधि विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में बुधवार को नई शिक्षा नीति पर दो दिवसीय कार्यशाला का समापन हुआ। समापन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि नीलिमा कटियार, राज्य मंत्री उच्च शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी उत्तर प्रदेश ने कहा कि आज देश समग्रता के साथ आगे बढ़ रहा है।

देश के वर्तमान भविष्य सभी को मिलकर अच्छा बनाना है। किसी भी देश की शिक्षा व्यवस्था उस देश के विद्यार्थियों को देखकर पता चल सकती है। उन्होंने बताया कि हम दुनियां की सबसे समृद्ध शिक्षा व्यवस्था के आदर्शों पर चलने जा रहे हैं। जिस प्रकार प्राचीन काल में शास्त्र और शास्त्र की शिक्षा एक साथ ग्रहण की जाती थी उसी

प्रकार नई शिक्षा नीति में कई शिक्षा पद्धति को एक साथ लाया गया है। नीलिमा कटियार ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। आज भारत प्रत्येक आपदा में संभावना देख रहा है। स्वावलंबी भारत और उभरते हुए भारत की पहचान इस नई शिक्षा नीति में समाहित है। इस नीति का प्रसार जितना शीघ्रता से किया जायेगा उसका परिणाम उतनी ही शीघ्रता से प्राप्त होगा। इसके लिए शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है। राज्यमंत्री ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि एक एक विद्यार्थी दृढ़ संकल्प करे। तभी हम उत्कृष्टता के साथ आगे बढ़ सकेंगे एवं सक्षम बनेंगे।

ग्राम्यवार्ता, लखनऊ

दिनांक: 21 जनवरी, 2021

पृष्ठ संख्या: 02



ग्राम्य वार्ता
आमोंग भारत का सबसे पहली

हरदोई/शाहजहांपुर/आजमगढ़/प्रदेश

स्वावलंबी भारत की पहचान नई शिक्षा नीति में समाहित है: राज्यमंत्री

◆ अवधि विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति पराए दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

ग्राम्यवार्ता संबाददाता

अवध्या। डॉ. गणमनोहर लोहिया अवधि विश्वविद्यालय के संस्थान के आज 20 जनवरी, 2021 को नईशिक्षा नीति पर दो दिवसीय कार्यशाला का समापन हुआ। समापन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य अधिकारी नीलिमा कविट्यार, राज्य मंत्री उच्च शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी उत्तर प्रदेश ने कहा कि आज देश ममता के साथ आप बढ़ रहा है। देश के वर्तमान भविष्य सभी को मिलकर अन्वय बनाता है। किसी भी देश की शिक्षा व्यवस्था उस देश के विद्यार्थियों के संबोधित होनी चाही शिक्षा नीति को अनुसरण करना हो।

काल में शस्त्र और शास्त्र की शिक्षा एक साथ ग्रहण की जाती थी उसी प्रकार नई शिक्षा नीति में कईशिक्षा पढ़ाते को एक साथ लाया गया है। नीलिमा कविट्यार ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत अत्यनिर्भरत की ओर बढ़ रहा है। आज भारत प्रलेक आपदा में सभावना देख रहा है। स्वावलंबी भारत और उभते हुए भारत कीपहचान इस नई शिक्षा नीति में समाहित है। इस नीति का प्रसार जितना शोधता से किया जायेगा उसका परिणाम उत्तीर्णी शोधता से प्राप्त होगा। इसके लिए शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है।



जोड़ती है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति संखेने और सिखाने का अनुसरण करना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है। देश के वर्तमान भविष्य सभी को मिलकर अन्वय बनाता है। किसी भी देश की शिक्षा व्यवस्था उस देश के विद्यार्थियों के संबोधित होनी चाही शिक्षा नीति को अनुसरण करना हो।

काल में शस्त्र के कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह ने कहा कि आज नईशिक्षा पढ़ाते हुए देश के लिए नईशिक्षा नीति को अनुसरण करना हो। समाज के सभी तबको को नई शिक्षा नीति के विविध पहलुओं से परिचित कराने के लिए शिक्षकों एवं छात्रों की भूमिका बढ़ गई है। विश्वविद्यालय ने इस लागू कराने के लिए पूरी तैयारी की जारी रखते हुए अध्यक्षों को बधाई दी। कार्यक्रम के पहले दिन

उद्घाटन सत्र में बनास हिन्दू विश्वविद्यालय वाणिज्यों के प्रो. पी.बी. गोप्ता एवं प्रो. आर.एस. मिश्र कुमार, इंजीनियरआशीष पाण्डे, इंजीनियर श्वेत मिश्र, डॉ. महिला चैरसिया का विशेष योगदान रहा। इस

समाप्त सत्र का शुभारम्भ मा सरखटी की प्रतीका पर भावार्पण और दीप प्रज्ञालित करके किया गया। मुख्य नियंत्रा प्रो. अजय प्राप्त सिंह, प्रो. अशोक कुमार शुक्ल, प्रो. शैलेन्द्र कुमार वर्मा, डॉ. महेन्द्र सिंह, इंजीनियरचंदन अरोड़, इंजीनियर कार्यक्रम के संयोजक डॉ. तरुण प्रवीण मिश्र, इंजीनियर नवीन गंगवार ने अंतिमियों के प्रति ध्यावाद पटेलसहित बड़ी सहज में शिशक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कानपुर देहात के शिवली में खेत में मिला महिला का शव

कानपुर देहात। शिवली कर्बे में पांडु नदी किनारे खेत में करीब 40 वर्षीय महिला का अर्धनाम हालत में शव मिला। आशका है कि दुकर्म के बाद हत्या कर शव को वहां फेंक दिया गया। पास में ही चूड़ी भी टूटी मिली है। एसपी व पुलिस ने घटनास्थल पर छानबीन की। मृतक की शिनाख नहीं हो सकी है। पांडु नदी किनारे हारीकृष्ण अग्नहोत्री के खेत में महिला का शव पड़ मिला। ग्रामीणों ने शव देखा तो घटना का पता चल सका। पुलिस ने आसपास गांव में पूछाइ की पर कोई उसकी शिनाख नहीं का सका। अर्धनाम हालत में होने से आशका जाताहूं जा रही कि दुकर्म किया गया और उसके बाद हत्या की गई है। शव एक दो दिन पुराना हो गया था।